

## UP Board Class 8 Solutions Sanskrit Chapter 7

---

**अभ्यासः**

**प्रश्न 1.**

उच्चारणं कुरुते पुस्तिकायां च लिखते

**उत्तर**

नोट-विद्यार्थी स्वयं करें।

**प्रश्न 2.**

एकपदेन उत्तरत

**(क)** उदारचरितानां कृते सम्पूर्णा वसुधा किम् अस्ति?

**उत्तर**

कुटुम्बकम्

**(ख)** अयं निजः परो वेति कः गणयति?

**उत्तर**

लघुचेतसः

**(ग)** समुद्रेषु वृष्टिः कीदृशी भवति?

**उत्तर**

वृथा।

**(घ)** विद्वान् कुत्र पूज्यते?

**उत्तर**

लोके।

**प्रश्न 3.**

प्रश्नानामुत्तराणि लिखत (लिखकर)

**(क)** सुखदुःखयो किं लक्षणम् अस्ति?

**उत्तर**

सर्वमात्मवशं सुखम् सर्वं परवशं दुःखम् अस्ति।

**(ख)** पञ्चवकाराः के सन्ति।

**उत्तर**

वेशः, वपुषः, वाचा, विद्या विनयं च पञ्च वकाराः सन्ति।

**(ग)** धीमतां कालः कथं गच्छति।

**उत्तर**

धीमताम् कालः काव्यशास्त्रविनोदेन गच्छति।

(घ) दीपः वृथा कदा भवति।

उत्तर

दीप वृथा दिवसे भवति।

प्रश्न 4.

लघुचक्र मध्ये चत्वारि क्रियापदानि सन्ति। तानि द्विधा दीर्घचक्रस्थवाक्यांशैः प्रयुज्य सार्थकवाक्यानि रचयत

उत्तर

सर्व परवंशदुखं भवति।

मूर्खाणां कालः व्यसेन निद्रया कलहेन वा गच्छति

समर्थस्य दानं वृथा भवति।

विद्यावान लोके पूज्यते।

समुद्रेषु वृष्टिः वृथा भवति।

तृप्तस्य भोजनं वृथा भवति।

प्रश्न 5.

मञ्जूषातः-पदानि चित्वा वाक्यानि पूरयत (पूरा करके)

उत्तर

यथा- उदारचरितानाम तु वसुधैव कुटुम्बकम्।।

(क) वृथा वृष्टिः समुद्रेषु।।

(ख) महान्तं प्राप्य सदबुद्धी।

(ग) मूर्खाणां समयः व्यसनेन निद्रया कलहेन गच्छति।

(घ) वेशेन वपुषा वाचाः विद्यया विनयेन च।।

प्रश्न 6.

विलोमपदानि योजयत (जोड़कर)

उत्तर

निजः

सबलः

उदारः

सुखम्

परः

निर्बलः

अनुदारः

दुःखम्

प्रश्न 7.

हिन्दीभाषायाम् अनुवादं कुरुत (अनुवाद करके)

(क) सर्व परवशं दुःखम् सर्वमात्मवशं सुखम्।

उत्तर

अनुवाद-किसी के वश में रहना दुख और स्वतन्त्र रहना ही सुख है।

(ख) वृथा तृप्तस्य भोजनम्।।

उत्तर

अनुवाद-तृप्त व्यक्ति को खिलाना व्यर्थ है।

**(ग)** महान्तं प्राप्य सदबुद्धि।

**उत्तर**

अनुवाद-सदबुद्धि के महान होने पर (किसी) को तुच्छ (छोटी नहीं) समझना चाहिए।

**(घ)** विद्यावान् पूज्यते लोके नाविद्यः परिपूज्यते।

**उत्तर**

अनुवाद-विद्यावान की पूजा संसारभर में होती है; मूर्ख की नहीं।